"रेडियो मैन ऑफ इंडिया" ने बनाया रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **राम सिंह बौद्ध ने** रेडियो की विरासत को संरक्षित करते हुए अपने अद्वितीय रेडियो संग्रह के साथ **गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड** बनाया।

मुख्य बिंदु

- **विश्व रिकॉर्ड रेडियो संग्रह** :
  - **"भारत के रेडियो मैन "** के नाम से प्रसिद्ध राम सिंह बौद्ध ने **1920 के दशक से लेकर 2010 तक के** 1,257 अद्वितीय रेडियो का संग्रह एकत्र किया है।
  - उनके संग्रह ने **एम. प्रकाश के 625 रेडियो** के पिछले विश्व रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।
- **प्रधानमंत्री द्वारा मान्यता:**
  - रेडियो की विरासत को संरक्षित करने के लिये बौध के जुनून को राष्ट्रीय मान्यता तब मिली जब प्रधानमंत्री ने नवंबर 2023 में मन की बात रेडियो कार्यक्रम के दौरान उनका उल्लेख किया।
  - प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो को प्रासंगिक बनाए रखने के लिये बौध के समर्पण पर प्रकाश डाला तथा कहा कि उनके प्रयासों से उनके संग्रह के बारे में जिज्ञासा बढ़ी है।
  - प्रधानमंत्री ने माना कि **मन की बात** ने रेडियो और आकाशवाणी (All India Radio) के प्रति रुचि को पुनर्जीवित किया है, जिससे ये कई घरों में एक बार फिर लोकप्रिय हो गए हैं।

रेडियो स्पेक्ट्रम

- रेडियो स्पेक्ट्रम (जिसे **रेडियो फ्रीक्वेंसी या RF के रूप में भी जाना जाता है**) विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम का एक हिस्सा है, इस आवृत्ति रेंज में विद्युत चुंबकीय तरंगों को रेडियो आवृत्ति बैंड या बस 'रेडियो तरंगें' कहा जाता है।
- विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम में रेडियो तरंगों की तरंगदैर्घ्य सबसे लंबी होती है। इनकी खोज **हेनरिक हर्ट्ज़ ने 1880 के दशक के अंत में की थी।**
- RF बैंड **30 kHz और 300 GHz** के बीच की सीमा में विस्तारित हैं (वैकल्पिक दृष्टिकोण 3 KHz – 300 GHz की कवरेज प्रदान करता है)।

//

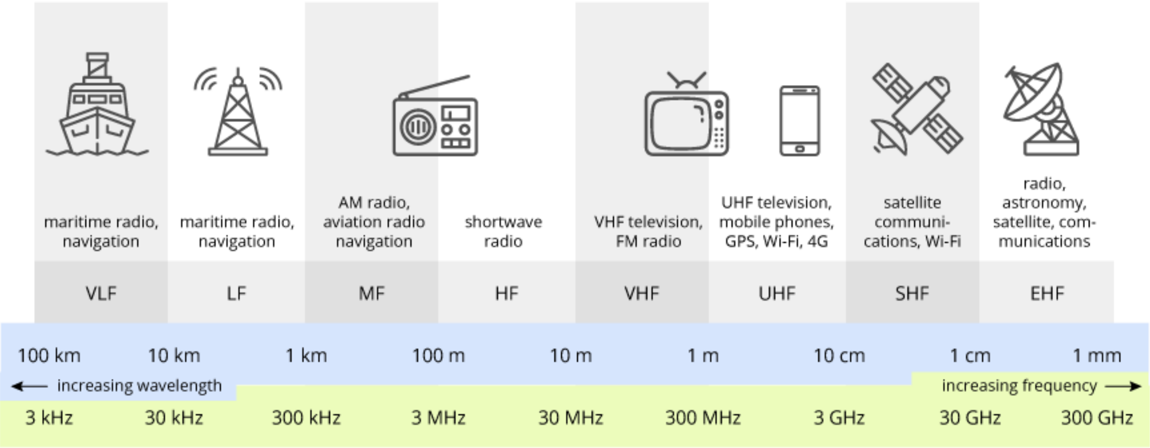

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/radio-man-of-india-sets-record